Series SSO/2

Code No. **2/2/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 100
Maximum Marks : 100

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भाषा का एक प्रमुख गुण है — सृजनशीलता । हिन्दी में सृजनशीलता का अद्भुत गुण है, अद्भुत क्षमता है जिससे वह निरंतर प्रवहमान है । हिन्दी ही ऐसी भाषा है जिसमें समायोजन की पर्याप्त और जादुई शक्ति है । अन्य भाषाओं और संस्कृतियों के शब्दों को हिन्दी जिस अधिकार और सहजता से जज़्ब करती है उससे हिन्दी की संभावनाएँ प्रशस्त होती हैं । हिन्दी के लचीलेपन ने अनेक भाषाओं के शब्दों को ही नहीं उनके सांस्कृतिक तेवरों को भी अपने में समेट लिया है । यही कारण है कि हिन्दी सामासिक संस्कृति की तथा विविध भाषा-भाषियों और धर्मावलंबियों की प्रमुख पहचान बन गई है । अरबी, फ़ारसी, तुर्की, अंग्रेज़ी आदि के शब्द हिन्दी की शब्द-संपदा में ऐसे मिल गए हैं जैसे वे जन्म से ही इसी भाषा परिवार के सदस्य हों, यह समाहार उसकी जीवंतता का प्रमाण है ।

आज हम परहेज़ी होकर, शुद्धतावाद की जड़ मानसिकता में क़ैद होकर नहीं रह सकते । सूचना-क्रांति, तकनीकी-विकास और वैज्ञानिक आविष्कारों के दबाव ने हमें सबसे संवाद के अवसर दिए हैं । विश्व-ग्राम की संकल्पना से हिन्दी को क़दम-ब-क़दम चलना होगा । इसके लिए आवश्यक है — आधुनिक प्रयोजनों के अनुरूप विकास और भाषा और लिपि से सम्बन्धित यांत्रिक साधनों का विकास । इंटरनेट से लेकर बाज़ार तक, राजकाज से लेकर शिक्षा और न्याय के मंदिरों तक हिन्दी को उपयोगी और कार्यक्षम बनाने के लिए उसका सरल-सहज होना आवश्यक है और उसकी ध्वनि, लिपि, शब्द-वर्तनी, वाक्य-रचना का मानकीकृत होना भी ज़रूरी है । सरकार की तत्परता के साथ हम जनता की दृढ़ इच्छाशक्ति, सजगता और सचेष्टता को जोड़ दें तो वह दिन दूर नहीं, जब हिन्दी अंतर्राष्ट्रीय सरहदों में भारत की रहनुमाई करेगी ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) हिन्दी की समायोजन-शक्ति से लेखक का क्या अभिप्राय है ? *2*

(ग) हिन्दी भारत की सामासिक संस्कृति की पहचान कैसे बन गई ? लेखक के कथन को स्पष्ट कीजिए । *2*

(घ) हिन्दी भाषा के संदर्भ में शुद्धतावादी होने का क्या तात्पर्य है ? *2*

(ङ) हिन्दी को सबसे संवाद स्थापित करने का अवसर कैसे मिला है ? *1*

(च) सबके साथ क़दम मिलाकर चलने के लिए क्या आवश्यक है ? *2*

(छ) लेखक ने हिन्दी के किस गुण को उसकी जीवंतता का प्रमाण माना है और क्यों ? *2*

(ज) 'प्रमुख' और 'विविध' शब्दों के पर्यायवाची लिखिए । *1*

(झ) 'जड़' तथा 'जन्म' शब्दों के विलोम लिखिए । *1*

(ञ) 'समायोजन' और 'सहजता' शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए । *1*

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

चिड़िया को लाख समझाओ
कि पिंजड़े के बाहर
धरती बड़ी है, निर्मम है,
वहाँ हवा में उसे
अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी ।
यूँ तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है,
पर पानी के लिए भटकना है,

यहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है ।
बाहर दाने का टोटा है
यहाँ चुग्गा मोटा है ।
बाहर बहेलिए का डर है
यहाँ निर्द्वंद्व कंठ-स्वर है ।
फिर भी चिड़िया मुक्ति का गाना गाएगी,
मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी
पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी,
हर सू ज़ोर लगाएगी
और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जाएगी ।

(क) पिंजड़े के बाहर का संसार निर्मम कैसे है ?

(ख) पिंजड़े के भीतर चिड़िया को क्या-क्या सुविधाएँ उपलब्ध हैं ?

(ग) कवि चिड़िया को स्वतंत्र जगत् की किन वास्तविकताओं से अवगत कराना चाहता है ?

(घ) बाहर सुखों का अभाव और प्राणों का संकट होने पर भी चिड़िया मुक्ति ही क्यों चाहती है ?

(ङ) कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर निबन्ध लिखिए : 5

(क) भारत का भविष्य

(ख) महिलाओं को आरक्षण नहीं अधिकार चाहिए

(ग) वह अविस्मरणीय दिन

(घ) फ़ैशन के नए-नए रूप

4. कुछ टी.वी. चैनल अपराध-कथाओं और अंधविश्वासों पर विशेष बल देकर मीडिया के मूल कर्तव्य और ज़िम्मेदारी से पलायन कर रहे हैं । इस सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करते हुए एक पत्र किसी दैनिक पत्र के संपादक को लिखिए । 5

अथवा

बाढ़ उतर जाने के बाद बाढ़-पीड़ित क्षेत्र में राहत-कार्य असंतोषजनक है । भोजन और चिकित्सा की भी समुचित व्यवस्था नहीं है । क्षेत्र के संसद्-सदस्य को पत्र लिखकर वस्तु-स्थिति से अवगत कराइए और तुरंत हस्तक्षेप करने का अनुरोध कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 1×

(i) इलेक्ट्रॉनिक-माध्यम प्रिंट-माध्यम की अपेक्षा अधिक लोकप्रिय क्यों है ?

(ii) हिन्दी के किन्हीं दो राष्ट्रीय समाचार-पत्रों के नाम लिखिए ।

(iii) पीत पत्रकारिता का क्या आशय है ?

(iv) 'इंट्रो' से आप क्या समझते हैं ?

(v) 'फ़्लैश' किसे कहते हैं ?

(ख) 'देश में महँगी होती व्यावसायिक शिक्षा' विषय पर रिपोर्ट तैयार कीजिए ।

अथवा

'भारतीय चंद्रयान : एक बड़ी उपलब्धि' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

6. 'वरिष्ठ नागरिकों के प्रति हमारा नज़रिया' **अथवा** 'यातायात पुलिस की अपनी समस्याएँ' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए ।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+

बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं । नारि हानि बिसेष छति नाहीं ॥
अब अपलोकु सोकु सुत तोरा । सहिहि निठुर कठोर उर मोरा ॥
निज जननी के एक कुमारा । तात तासु तुम्ह प्रान अधारा ॥
सौंपेसि मोहि तुम्हहिं गहि पानी । सब बिधि सुखद परम हित जानी ॥
उतरु काह दैहउँ तेहि जाई । उठि किन मोहि सिखावहु भाई ॥

(क) इन पंक्तियों में किसका प्रलाप है ? वह इतना शोकग्रस्त क्यों है ?

(ख) किसने किस विश्वास के आधार पर लक्ष्मण को राम के साथ भेजा था ?

(ग) राम को अयोध्या लौटने पर किस स्थिति का सामना करना पड़ सकता है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :
निज जननी के एक कुमारा ।
तात तासु तुम्ह प्रान अधारा ॥

अथवा

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण-ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है ।

(क) जिसे कवि ने 'सहर्ष स्वीकारा' था उसे ही क्यों भूल जाना चाहता है ?

(ख) कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में किस स्थिति को 'अमावस्या' कहा है ?

(ग) 'मैं तुम्हें भूल जाना चाहता हूँ' — यह कहने के लिए कवि ने क्या युक्ति अपनाई है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :
'यह उजेला अब सहा नहीं जाता है ।'

8. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2=6*

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ ।
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।
और ...
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है ।

(क) कविता के किन उपमानों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का चित्रवत् वर्णन है ?

(ख) कविता में प्रयुक्त किसी एक अलंकार का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) उषा का जादू क्या था ? वह कैसे टूट रहा है ?

अथवा

रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं ।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल !
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर !

(क) धनिकों और कृषकों के लिए प्रयुक्त विशेषणों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'विप्लव के वीर' शब्द के सौन्दर्य को उद्‌घाटित कीजिए ।

(ग) इस काव्यांश की भाषिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3-

(क) 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर 'भाषा को सहूलियत' से बरतने के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) बेकारी की समस्या तुलसी के ज़माने में भी थी, उस बेकारी का वर्णन तुलसी के कवित्त के आधार पर कीजिए ।

(ग) पाठ्य-पुस्तक में संकलित फ़िराक़ गोरखपुरी की ग़ज़ल का केन्द्रीय भाव लिखिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

इस चिलकती धूप में इतना-इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन — धूप, वर्षा, आँधी, लू — अपने आप में सत्य नहीं हैं ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्नि-दाह, लूट-पाट, ख़ून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है । अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था । क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है । शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है । गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था । मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ, तब-तब हूक उठती है — हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !

(क) अवधूत किसे कहते हैं ? शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?

(ख) कोमलता और कठोरता दोनों भाव किस प्रकार गांधीजी के व्यक्तित्व की विशेषता बन गए ?

(ग) वे कौन-सी वर्तमान परिस्थितियाँ हैं जिनके भीतर स्थिर रह सकने या न रह सकने का संदेह पैदा होने लगता है ?

(घ) 'हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !' कथन से लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है ?

अथवा

जाति-प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे दासता में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता । 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है । यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है । उदाहरणार्थ, जाति-प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं ।

(क) लेखक के अनुसार जाति-प्रथा के समर्थक किन अधिकारों को देना मान सकते हैं और किन्हें नहीं ?

(ख) 'दासता' के दो लक्षण स्पष्ट कीजिए ।

(ग) व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता न दिए जाने पर लेखक ने क्या संभावना व्यक्त की है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'जाति-प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना' से अंबेडकर का क्या आशय है ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3+3+3=12*

(क) ग्रीष्म में कम पानी वाले दिनों में गाँव-गली में डोलती मेंढक-मंडली पर एक बालटी पानी उंड़ेलना जीजी के विचार से पानी का बीज बोना है, कैसे ?

(ख) गाँव में महामारी फैलने और अपने दोनों बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा ?

(ग) चार्ली चैप्लिन की फ़िल्मों में निहित करुणा और हास्य का सामंजस्य भारतीय कला और सौंदर्य-शास्त्र की परिधि में क्यों नहीं आता ?

(घ) सफ़िया को अटारी में समझ ही नहीं आया कि कहाँ लाहौर ख़त्म हुआ और किस जगह अमृतसर शुरू हो गया, ऐसा क्यों ?

(ङ) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने का क्या आशय है ? इसका मनुष्य पर क्या असर पड़ता है ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर महिलाओं के बारे में ऐन के विचारों पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) अपने घर में अपनी 'सिल्वर वैडिंग' के आयोजन में भी यशोधर बाबू को अनेक बातें 'समहाउ इंप्रॉपर' लग रही थीं । ऐसा क्यों ?

(ग) 'जूझ' शीर्षक को उपयुक्त ठहराने के लिए तीन तर्क दीजिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *2+2=4*

(क) सिन्धु-सभ्यता के सबसे बड़े शहर मुअनजो-दड़ो की नगर-योजना दर्शकों को अभिभूत क्यों करती है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'जूझ' कहानी में देसाई-सरकार की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

(ग) ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जो सेक्शन आफ़ीसर वाई.डी. पंत को अपने रोल मॉडेल किशनदा से उत्तराधिकार में मिली थीं ।

14. 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की चार विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । 5

अथवा

'मुअनजो-दड़ो' के उत्खनन से प्राप्त जानकारियों के आधार पर सिन्धु-सभ्यता की विशेषताओं पर एक लेख लिखिए ।